जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय,

बलिया

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA

(A State University established under the Uttar Pradesh University Act 1973)

Curriculum in Accordance with National Education Policy – 2020

Programme Name:	**B.A.**
Subject:	**HINDI**

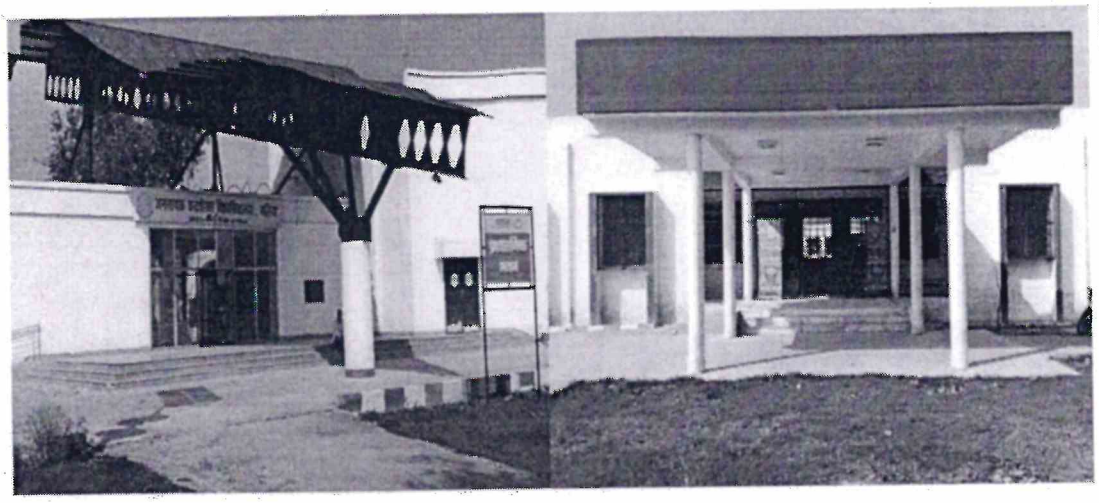

Department of Hindi

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

Shaheed Smark, Near Surha Taal, Basantpur, Ballia – 277301, Uttar Pradesh, India

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

A State University established under Uttar Pradesh State University Act 1973

Structure for Four Years Undergraduate Programme in accordance with National Education Policy – 2020 and Common Minimum Syllabus

HINDI

Semester-wise Title of the Papers

Year	Sem	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Total Credits
1st	I	A010101T	हिन्दी काव्य	Theory	6
	II	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	Theory	6
2nd	III	A010301T	हिन्दी गद्य	Theory	6
	IV	A010401T	हिन्दी अनुवाद	Theory	6
3rd	V	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	Theory	5
		A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	Theory	5
	VI	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	Theory	5
		A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	Theory	5
4th	VII	A010701T	प्राचीन काव्य	Theory	5
		A010702T	भाषा विज्ञान	Theory	5
		A010703T	सगुण भक्ति काव्य	Theory	5
		A010704T	रीति काव्य	Theory	5
	VIII	A010801T	आधुनिक काव्य (छायावादी)	Theory	5
		A010802T	आधुनिक गद्य : नाटक एवं निबंध	Theory	5
		A010803T	हिन्दी आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी	Theory	5
		A010804T	साहित्य सिद्धान्त (~~पाश्चात्य~~) भारतीय	Theory	5

नोटः

- स्नातक तृतीय वर्ष के पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर में छात्र लघु शोध परियोजना बनायेगा, जिसे षष्ठम सेमेस्टर में जमा करेगा और मूल्यांकन किया जायेगा।
- स्नातक चतुर्थ वर्ष में सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर में छात्र शोध परियोजना करेगा, जिसे अष्टम सेमेस्टर में जमा करेगा और मूल्यांकन किया जायेगा।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA I YEAR
SEMESTER	I
COURSE CODE	A010101T
COURSE TITTE	हिन्दी काव्य
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

Course Objective :

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों को हिन्दी काव्य का ज्ञान प्रदान करना।
2. हिन्दी साहित्य में कविता शिक्षण के द्वारा छात्रों में काव्यात्मक अभिरूचि विस्तार करना।
3. हिन्दी के मूल पाठ को बढ़ावा देना।
4. हिन्दी भाषा कौशल का विकास एवं रोजगारपरक अध्ययन।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की प्रासंगिकता सिद्ध होगी।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में प्रमुख कवियों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेगें।
3. हिन्दी भाषा कौशल की अभिरूचि के साथ रोजगारपरक अध्ययन की सार्थकता सिद्ध होगी।

Unit	Course Content and Topic
I	हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ । सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य । भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण । भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य : सामान्य परिचय । रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद : (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति, प्रमुख कवि और उनका काव्य । आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग. द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
II	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. : आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35) ख. अमीर खुसरो : अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली-घ (1), गीत-ड (4), (13), दोहे-च (पृष्ठ 86),05 दोहे-गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी । भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास : (भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस : गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 35 तक

III	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर : (कबीरदास संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20 ख- बिरह कौ अंग - 04, 10, 12, 20, 33 मलिक मोहम्मद जायसी (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01 से 03 तक) रीतिकालीन कविः बिहारीलाल : (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे (पाँच दोहे । घनानंद : (घनानंद ग्रन्थावली-संपा., विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7
IV	आधुनिककालीन कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र : मातृभाषा प्रेम पर दोहे । जयशंकर प्रसाद : श्रद्धा सर्ग के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त : प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है । महादेवी वर्मा :बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ । मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो । (अ) छायावादोत्तर कवि : अज्ञेय : नदी के दीप मुक्तिबोध : भूल गलती नागार्जुन : अकाल और उसके बाद धर्मवीर भारती : कविता की मौत (दूसरा सप्तक :सम्पादक अज्ञेय) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध : शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की एवं महत्त्व ।

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976 2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
2. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
3. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992 5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. सिंह, नामवर आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
5. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
6. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
7. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रवाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940 13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति: एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
11. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957 15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
13. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941 18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
14. पाठक, शिवसहाय मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद 20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

A State University established under Uttar Pradesh State University Act 1973

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA I YEAR
SEMESTER	II
COURSE CODE	A010201T
COURSE TITTE	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर कार्यालयी हिन्दी का ज्ञान प्रदान करना एवं पत्राचार संबंधी औपचारिक पद्धतियों से परिचित कराना।
2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य में कंप्यूटर के महत्व एवं प्रभाव का अध्ययन।
3. हिन्दी भाषा एवं साहित्य शिक्षण कौशल में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग करने में सक्षम बनाना।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त कार्यालयी कार्यों की मूलभूत जानकारी मिली।
2. विद्यार्थी कार्यालयी पत्राचार में पारंगत हुए।
3. कंप्यूटर के माध्यम से हिन्दी भाषा–साहित्य की बेहतर समझ विकसित करने में समर्थ।

Unit	Course Content and Topic
I	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :

	उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली : शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
II	कार्यालयी हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवनएवं प्रतिवेदन : प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर- संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति

	पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग
III	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम : कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी : इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल । हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल
IV	हिन्दी भाषा और ई शिक्षण : इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई-पुस्तकालय सामग्री, यू-ट्यूब सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं. (अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोध: हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट – यूनीकोड, स्पीच-टू-टेक्स्ट (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध के प्रकार, परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन ।

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963

2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991

3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली

4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009

5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण

6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005

8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA II YEAR
SEMESTER	III
COURSE CODE	A010301T
COURSE TITTE	हिन्दी गद्य
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों को हिन्दी गद्य का ज्ञान प्रदान करना।
2. हिन्दी साहित्य में गद्य शिक्षण के द्वारा छात्रों में सृजन–अभिरूचि का विस्तार करना।
3. हिन्दी के मूल पाठ को बढ़ावा देना।
4. हिन्दी भाषा कौशल का विकास एवं रोजगारपरक अध्ययन।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की प्रासंगिकता सिद्ध होगी।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में प्रमुख लेखकों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेगें।
3. हिन्दी भाषा कौशल की अभिरूचि के साथ रोजगारपरक अध्ययन की सार्थकता सिद्ध होगी।

Unit	Course Content and Topic
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : कहानी उपन्यास नाटक एकांकी निबंध यात्रा वृत्तान्त सस्मरण रेखाचित्र रिपोर्ताज आत्मकथा व्यंग्य

II	हिन्दी उपन्यास : गबन : मुंशी प्रेमचंद : कथ्य, शिल्प, प्रमुख पात्र तथा चरित्र-चित्रण | हिन्दी कहानी ईदगाह - प्रेमचन्द गैंग्रीन- अज्ञेय तीसरी कसम उर्फ़ मारे गये गुलफ़ाम : रेणु
III	हिन्दी नाटक एवं एकांकी : नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद एकांकी : लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अश्क हिन्दी निबन्ध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र श्रद्धा-भक्ति-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
IV	अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड : रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी रामविलास शर्मा) रिपोर्ताज (ऋण जल धन जल रेणु) व्यंग्य (भोलाराम का जीव हरिशंकर परसाई) अन्य गद्य विधाएं द्वितीय खण्ड : यात्रा वृतांत (मेरी तिब्बत यात्रा राहुल सांकृत्यायन) आत्मकथा अंश (जूठन ओमप्रकाश वाल्मीकि)

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007

2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992

4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018

6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018

7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975

8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा

9. गबन : मुंशी प्रेमचंद , स्रोत : ई पुस्तकालय

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA II YEAR
SEMESTER	IV
COURSE CODE	A010401T
COURSE TITTE	हिन्दी अनुवाद
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर बहुभाषिकता को बढ़ावा देना।
2. छात्रों को हिन्दी के साथ ही अंग्रेजी भाषा की सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. भारतीय संस्कृति एवं साहित्य का वैश्विक विस्तार को कार्यरूप प्रदान करना।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के निश्चित मानदंडों पर खरा उतरकर वैश्विक प्रतिस्पद्धात्मक वातावरण में लक्ष्य प्राप्ति में सक्षम।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार में अपनी महती भागीदारी में सक्षम।
3. हिन्दी भाषा कौशल के साथ अन्य भाषओं के आधार पर रोजगारपरक नये अवसर उपलब्ध होंगे।

Unit	Course Content and Topic

I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं अनुवाद के क्षेत्र : प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ अंग्रेजी -हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान
II	अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और भाषा अनुवाद के साधन : अनुवाद में कोशों के प्रकार एवं महत्व संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्याय कोश के उपयोग उच्चारण कोश के उपयोग भाषिक कोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषा कोश के उपयोग साहित्य कोश के उपयोग

iii	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा : पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा
VII VIII	अनुवाद सैद्धांतिकी-एक: (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद अनुवाद सैद्धांतिकी- दो : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी)सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012

3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016

4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली, 1994 5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016

6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980

7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997

8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987 10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012

11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018

12.टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 13. कुचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991

14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018

15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA III YEAR
SEMESTER	V
COURSE CODE	A010501T
COURSE TITTE	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. प्रस्तुत प्रश्न पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी साहित्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना से परिचित हो सकेंगे।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बौद्धिक एवं सृजनात्मक विस्तार।
3. छात्र काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों के साथ–साथ आलोचना के मानदंडों की समझ विकसित करने में समर्थ होंगे।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में रचनात्मक एवं सृजनात्मक विस्तार।
3. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण विकसित।

Unit	Course Content and Topic

I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य प्रयोज, काव्य हेतु भारतीय काव्य सिद्धांत : सामान्य परिचय (अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, रस सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत)
II	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ : काव्य गुण, शब्द शक्ति, काव्य दोष नाट्यशास्त्र : भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो की काव्य विषयक मान्यताएँ अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना

IV	समीक्षा की विचारधाराएँ : यथार्थवाद कलावाद बिम्बवाद प्रतीकवाद आलोचक एवं आलोचना दृष्टि: रामचन्द्र शुक्ल काव्य में लोकमंगल हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएं डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य । नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. 1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002

2. नवल, नंदकिशोर, हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981

3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़. 1987

4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988

5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,

6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992 7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

A State University established under Uttar Pradesh State University Act 1973

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA III YEAR
SEMESTER	V
COURSE CODE	A010502T
COURSE TITTE	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर शिक्षण–अधिगम को कार्यरूप प्रदान करना।
2. हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय काव्यों के द्वारा छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना।
3. हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना से अनुप्राणित कवियों को प्रासंगिक बनाना।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त छात्रों में हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रभावस्वरूप व्यक्तित्व निर्माण।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में प्रमुख राष्ट्रीय चेतना के कवियों के साहित्यिक अवदान से परिचित हुएं।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य एवं उद्देश्य का विस्तार।

Unit	Course Content and Topic
I	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य : चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज, । जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां------- (----भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे--लड़िहैं खूब बीर मलखान) भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखै, दारुन । दहत हरनाकुस बिदारिबे को
II	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंद्र : उन्नतचितवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसे, सब गुरुजन को बुरो बतावै मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी

III	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)
IV	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण : श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्यः कवि प्रदीपः आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत-1943) कवि प्रदीपः ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (गैर फ़िल्मी) कवि प्रदीप: हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति 1954) साहिर लुधियानवी: ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957) नीरज : ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला- 1961) कैफ़ी आज़मी कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत- 1964)

	राजेन्द्र कृष्णः जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर-आज़म - 1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार : 1967) इन्दीवर: है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम -1971) प्रसून जोशी: देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA III YEAR
SEMESTER	VI
COURSE CODE	A010601T
COURSE TITTE	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों को हिन्दी भाषा में समृद्ध करना।
2. हिन्दी भाषा के उद्भव–विकास के साथ ही देवनागरी लिपि की सम्यक् जरनकारी प्रदान करना।
3. हिन्दी भाषा की क्षेत्रीय बोलियों प्रर विशेष जोर देकर मातृभाषा को बढ़ावा देना।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों में मातृभाषा की महत्ता सिद्ध।
2. विद्यार्थी हिन्दी के इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के उपरांत भाषिक रूप में समृद्ध हुए।
3. हिन्दी भाषा कौशल के साथ ही सृजनात्मक क्षमता का विस्तार।

Unit	Course Content and Topic
I	भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय : भाषा: परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान: परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, प्रोक्ति, अर्थ
II	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत : हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार बाह्य प्रयत्न, आभ्यंतर प्रयत्न, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता
III	हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी

IV	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA III YEAR
SEMESTER	VI
COURSE CODE	A010602T
COURSE TITTE	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों में साहित्यक एवं भाषिक संस्कार को परिष्कृत करना।
2. विद्यार्थी लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य से परिचित होंगे।
3. छात्रों में लोक के प्रति अभिरूचि जागृत होगी।

Course outcomes:

अधिगम परिणाम –

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्राप्ति होगी।
2. हिन्दी साहित्य में लोक चेतना को विस्तृत धरातल एवं अपेक्षित परिणाम।
3. छात्रों में लाक–जन–अभिजन के प्रति साहित्यिक समझ विकसित होगी।

Unit	Course Content and Topic

I	लोक साहित्यका सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा क्षेत्र, वर्गीकरण
II	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता
III	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।
IV	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत लोक का प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्व

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज, 1973

2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973

3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007

4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957

5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010 6. मित्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019

7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971

8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018

11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017

12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019 13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949)

9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009 10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971 2007

14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा 15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली,

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VII
COURSE CODE	A010701T
COURSE TITTE	प्राचीन काव्य
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उददेश्य :–

1. विद्यार्थियों में अपभ्रंश भाषा के प्रति अभिरुचि जागृत करना।
2. सरहपा, हेमचन्द्र, अब्दुल रहमान, मुंज एवं विद्यापति के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त करना।
3. मैथिल कोकिल विद्यापति के सरस पदों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
4. विद्यार्थियों को अपभ्रंश भाषा के माध्यम से हिन्दी भाषा के आरंभिक स्वरूप से परिचित कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि
इकाई–प्रथम			
1–अ	अपभ्रंश प्रकाश में संकलित सरहपा, हेमचन्द्र, अब्दुल रहमान तथा मुंज कवि की कविताओं की व्याख्या।		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा / सस्वर वाचन।

ब	डॉ0 शिवप्रसाद सिंह द्वारा सम्पादित पदावली के आरंभिक 62 पदों की व्याख्या।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
स	अपभ्रंश प्रकाश में संकलित कवियों एवं कविताओं पर आधारित समीक्षात्मक अध्ययन।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।
द	डॉ0 शिवप्रसाद सिंह द्वारा सम्पादित विद्यापति पदावली के आधार पर समीक्षात्मक अध्ययन।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।

अधिन्यास–कार्य :–

1. हिन्दी भाषा के विकास में अपभ्रंश के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणीलिखें ?

अथवा

2. विद्यापति का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनके साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालें।

अधिगम परिणाम :–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी हिन्दी सहित्य के प्राचीनकाल के कवियों के साहित्यिक अवदान से परिचत हो सकेगें।
2. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी की आरंभिक अवस्था से परिचित होंगे।

सहायक ग्रंथ :–

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल (2008), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ0 नामवर, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग (2006), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, संदेशरासक (2015ई0), राजकमल प्रकाशन प्रा0लि0, नई दिल्ली।
4. सिंह, शिव प्रसाद, कीर्तिलता और अवहट्ट (1955 ई0), साहित्य भवन, इलाहाबाद।

5. गुलेरी, चन्द्रधर शर्मा, पुरानी हिन्दी (1961), नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
6. श्रीवास्तव, डॉ0 वीरेन्द्र, अपभ्रंश भाषा और उसका अध्ययन,(1963 ई0), यश चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
7. पाण्डेय, शम्भूनाथ, अपभ्रंश अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा।
8. तोमर, डॉ0 राम सिंह, प्राकृत, अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी प्रभाव।
9. डॉ0 नगेन्द्र, अपभ्रंश साहित्य, हिन्दी अनुसंधान परिषद ग्रंथमाला–8, नई दिल्ली।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VII
COURSE CODE	A010702T
COURSE TITTE	भाषा विज्ञान
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. भाषा विज्ञान के अन्तर्गत विद्यार्थियों को भाषा की परिभाषा, भाषा परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, भाषा, बोली और विभाषा की जानकारी दी जायेगी।
2. भाषा विज्ञान के प्रमुख अंगों, अध्ययन पद्धतियों तथा भाषा विज्ञान के ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंधित अवयवों को रेखांकित करना।
3. ध्वनि विज्ञान–स्वनिम विज्ञान और रूपविज्ञान का सैद्धान्तिक, परिचय प्रदान करना।
4. वाक्य विज्ञान, अर्थविज्ञान और शैली विज्ञान का सैद्धान्तिक परिचय प्रदान करना।

इकाई	शीर्षक : पाठ्य विषय	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि
इकाई–1			

क	भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग प्रकृति, विशेषताएँ (संरचना एवं स्वभागत), भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और वाक्, भाषा के विभिन्न स्तर–भेद, व्यक्ति बोली, विभाषा, मानक भाषा तथा उसके विविध रूप।		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा / प्रत्यक्ष विधि / सम्प्रेषणपरक विधि
ख	भाषा विज्ञान : स्वरूप और प्रकृति, विषय–क्षेत्र, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध।		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा / प्रत्यक्ष विधि / सम्प्रेषणपरक विधि
इकाई–2			
क	ध्वनि–विज्ञान : ध्वनि का अर्थ, ध्वनिग्राम तथा संध्वनि, ध्वनि–गुण तथा उसकी उपयोगिता, ध्वनि की उत्पत्ति–प्रक्रिया, वाग्यन्त्र (ध्वनि तंत्र), ध्वनियों का वर्गीकरण, मानस्वर, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, ध्वनि–नियम		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा / प्रत्यक्ष विधि / सम्प्रेषणपरक विधि
ख	स्वनिम विज्ञानः स्वरूप, अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमों तथा उपस्वनों का अंकन, स्वनिम वितरण के सिद्धान्त		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा / प्रत्यक्ष विधि / सम्प्रेषणपरक विधि
इकाई–3			

क	रूप विज्ञान : (मारफोलॉजी): शब्द और रूप (पद), सम्बन्ध तत्व एवं अर्थतत्व, सम्बन्ध तत्व के भेद, शब्द कोटियाँ, व्याकरणिक कोटियाँ		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा/प्रत्यक्ष विधि/सम्प्रेषणपरक विधि
ख	वाक्य विज्ञानः वाक्य की अवधारणा, तत्व, वाक्य एवं पद का सम्बन्ध, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, गहन संरचना और वाह्य संरचना, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा/प्रत्यक्ष विधि/सम्प्रेषणपरक विधि
इकाई–4			
क	अर्थ विज्ञान : अर्थ–ज्ञान,महत्त, शब्दार्थ सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा/प्रत्यक्ष विधि/सम्प्रेषणपरक विधि
ख	विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण (क) आकृति मूलक या रूपात्मक (ख) पारिवारिक (ग) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–शैली विज्ञान		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूहपरिचर्चा/प्रत्यक्ष विधि/सम्प्रेषणपरक विधि

अधिन्यास–कार्य :–

1. भाषा की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन करें।
2. भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुए प्रमुख अध्ययन पद्धतियों पर प्रकाश डालें।
3. अर्थ विज्ञान की परिभाषा देते हुए अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाओं की विवेचना करें।

अधिगम परिणाम :–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी भाषा विज्ञान को वर्गीकृत करके सहजतापूर्वक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. तिवारी, डॉ0 भोलानाथ, हिन्दी भाषा, प्रकाशन : किताब महल, इलाहाबाद।
2. तिवारी, डॉ0 भोलानाथ, हिन्दी भाषा की संरचना, प्रकाशन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भाटिया, डॉ0 कैलाशचन्द्र, हिन्दी भाषा, प्रकाशन : साहित्व भवन प्रा0लि0, नई दिल्ली।
4. पाण्डेय, डॉ0 राजकमल, हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप, प्रकाशक : विराट प्रकाशन, आगरा।
5. वाजपेयी, अचार्य किशोरीदास, हिन्दी शब्दानुशासन,प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. गुरू, कामता प्रसाद, हिन्दी व्याकरण
7. बाहरी, डॉ0 हरदेव, हिन्दी भाषा, प्रकाशक : अभिव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद।
8. शर्मा, आचार्य देवेन्द्रनाथ, हिन्दी भाषा और नागरी लिपि, प्रकाशक : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
9. मिश्र, डॉ0 नरेश, नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ, प्रकाशक : मन्थन पब्लिकेशनस, रोहतक।
10. शर्मा, आचार्य देवेन्द्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ एवं समाधान, प्रकाशक : लोक प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. त्रिपाठी, डॉ0 सत्यनारायण, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास
12. पाठक, गोपाल स्वरूप, हिन्दी भाषा, लिपि का इतिहास एवं प्रयोग

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VII
COURSE CODE	A010703T
COURSE TITTE	**सगुण भक्ति काव्य**
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को सगुण भक्ति धारा के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना।
2. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सगुण भक्ति के महत्व को समझ सकेंगे।
3. भ्रमरगीत सार के अध्ययन से विद्यार्थी उद्धव–गोपी संवाद की सार्थकता से परिचित हो सकेंगे।
4. रामचरितमानस के अध्ययन से विद्यार्थी गुरूमहिमा, सत्संगति, ज्ञानभक्ति और वैराग्य तथा लोक जनमानस के आदर्श को स्थापित कर सकेंगे।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	व्याख्येय– भ्रमरगीत सार (पद सं0–21 से 70 तक) सं0ग्रन्थ–भ्रमरगीत सार–डॉ0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
2	व्याख्येय– रामचरितमानस बालकाण्ड : प्रारम्भ से 43 दोहे उत्तरकाण्ड : 117 से130 दोहे		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
3	समीक्षात्मक अध्ययन : सूरदास		व्याख्यान/विश्लेषण विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।
4	समीक्षात्मक अध्ययन : तुलसीदास		व्याख्यान/विश्लेषण विधि/ श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।

अधिन्यास कार्य–

1. भ्रमरगीत सार के आधार पर सगुण भक्ति की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रामचरितमानस के आधार पर तुलसीदास की लोक भावना की प्रासंगिता सिद्ध कीजिए।

अथवा

सूरदास की कविता में सगुण–निर्गुण का अदभुत सामन्जस्य दृष्टिगत होता है। भ्रमरगीत सार के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अधिगम परिणाम–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी भक्ति आन्दोलन एवं भक्ति काव्य की अवधारणा के प्रति नयी समझ विकसित करने में समर्थ होंगे।
2. सूरदास एवं तुलसीदास के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी सामाजिक,सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक स्तर पर समझ विकसित कर सकेंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र , त्रिवेणी, प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र , सूरदास, प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, सूर साहित्य, प्रकाशक : हिन्दी–ग्रन्थ, रत्नाकर लि0 बम्बई।
4. शर्मा, हरवंशलाल, सूरदास और उनका साहित्य (सं0), प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. गौतम, डॉ0 मनमोहन, सूर की काव्यकला, प्रकाशक : हिन्दी अनुसंधान परिषद, दिल्ली।
6. शर्मा, गोविन्द राम, सूर की काव्य साधना।
7. खण्डेलवाल, जयकिशन प्रसाद, महाकवि सूरदास।
8. वाजपेयी, नन्द दुलारे, महाकवि सूरदास।
9. पाण्डेय, मैनेजर, भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य, प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. सिंह, उदयभानु, तुलसी काव्य मीमांसा, प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. त्रिपाठी, रामनरेश, तुलसीदास और उनका काव्य।
12. त्रिपाठी, विश्वनाथ, लोकवादी तुलसीदास।
13. सिंह, डॉ0 केशव प्रसाद एवं सिंह, डॉ0 वासुदेव, तुलसी : संदर्भ और दृष्टि।
14. मिश्र, शिवकुमार, भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य।
15. वाजपेयी, नंददुलारे, सूर–संदर्भ, प्रकाशक : इडियन प्रेस लि0, प्रयाग।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VII
COURSE CODE	A010704T
COURSE TITTE	रीति काव्य
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को रीतिकालीन विभिन्न काव्य पद्धतियों/ शैलियों का ज्ञान प्रदान करना।
2. विद्यार्थियों को रीतिकालीन काव्यधारा के मुख्य भेदों (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) के सम्बन्ध में समझ विकसित करना।
3. बिहारी के दोहे की अर्थवत्ता को स्पष्ट करते हुए उनकी 'गागर में सागर' भरने वाली सामर्थ्य को उद्घाटित करना।
4. घनानंद की कविता के माध्यम से स्वच्छन्द प्रेम के महत्व को उद्घाटित करना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	व्याख्येय– बिहारी सतसई के चयनित 50 दोहे।		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा / सस्वर वाचन।
2	व्याख्येय– घनानन्द के चयनित 40 कवित्त।		व्याख्यान विधि / श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा / सस्वर वाचन।
3	समीक्षात्मक अध्ययन : बिहारी		व्याख्यान / विश्लेषण विधि / श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।
4	समीक्षात्मक अध्ययन : घनानन्द		व्याख्यान / विश्लेषण विधि / श्यामपट्ट कार्य समूह परिचर्चा।

अधिन्यास कार्य –

बिहारी के दोहों में भक्ति, नीति और शृंगार की धारा प्रवाहित होती है। इस कथन के आलोक में बिहारी का मूल्यांकन करें।

अथवा

घनानन्द 'प्रेम की पीर' के कवि हैं स्पष्ट कीजिए।

अधिगम परिणाम–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के रीतिकालीन कवियों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेंगे।
2. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी बिहारी एवं घनानन्द के काव्य सौन्दर्य के आधार पर रचनात्मक रूप में नये भावबोध विकसित कर सकेंगे

संपादित पाठ्य ग्रन्थ–

बिहारी और घनानन्द (चयनित काव्य संग्रह)

सम्पादक –निहार, डॉ0 अमलदार, राय, डॉ0 अखिलेश कुमार

सहायक ग्रन्थ–

1. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, बिहारी की वाग्विभूति।
2. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2।
3. शर्मा, हरवंशलाल, बिहारी और उनका साहित्य।

4. गौड़, डॉ0 मनोहर लाल, घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा।
5. डॉ0 नगेन्द्र , रीति काव्य की भूमिका।
6. लाल, किशोरी, घनानन्द : काव्य और आलोचना।
7. द्विवेदी, डॉ0 सूर्यनारायण, रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त।
8. सिंह, डॉ0 विजयपाल, रीतिकाव्य–कोश।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VIIi
COURSE CODE	A010801T
COURSE TITTE	आधुनिक काव्य (छायावाद : प्रसाद, पंत,निराला और महादेवी वर्मा)
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को छायावाद की परिभाषा एवं काव्य शैली से परिचित कराना।
2. छायावादी युग की प्रतिनिधि रचना 'कामायनी' की कथा वस्तु से अवगत कराना।
3 पंत की कविताओं के विविध आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. निराला और महादेवी वर्मा के साहित्य से विद्यार्थियोंका साक्षात्कार कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	व्याख्येय– **कामायनी,** (श्रद्धा तथा लज्जासर्ग) **तारापथ** (प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण,परिवर्तन(1, 6, 7, 11, 31वा अंश) नौका विहार, बापू के प्रति		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
2	व्याख्येय– **राग–विराग,** (निराला की चुनी हुई कविताओं का संग्रह) सम्पा. : रामविलास शर्मा (वह तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा) **दीपशिखा** (पंथ होने दो अपरिचित,सब बुझे दीपक जला लूँ धूप सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य/ समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
3	समीक्षात्मक अध्ययन (जयशंकर प्रसाद तथा सुमित्रानन्दन पंत)		व्याख्यान/विश्लेषण विधि/ श्यामपट्ट कार्य/ समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।
4	समीक्षात्मक अध्ययन (सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा महादेवी वर्मा		व्याख्यान/विश्लेषण विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन।

अधिन्यास कार्य –

1. 'पल्लव' छायावाद का घोषणा–पत्र (मेनीफेस्टो) है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रत्यभिज्ञा दर्शन के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'निराला ओज और औदात्य के कवि हैं।' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अधिगम परिणाम–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी आधुनिक काव्य की प्रमुख शाखाओं में से एक छायावादी काव्य के चारों प्रमुख स्तम्भों से परिचित होंगे।

2. विद्यार्थी छायावादी कविता में व्यक्त बौद्धिक चेतना के प्रमुख स्वरों से अनुप्राणित होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. कुमार विमल , छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन
2. कुमार, राजेन्द्र , (सं0) निराला होने का अर्थ और तीन लम्बी कविताएँ।
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, कामायनी का पुनर्मूल्यांकन , लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. पाण्डेय, डॉ0 त्रिलोकीनाथ , छायावादी काव्य परंपरा और प्रयोग
5. पालीवाल,नारायणदत्त, सुमित्रानन्दन पंत।
6. मदान, इन्द्रनाथ, महादेवी : चिन्तन व कला।
7. मुक्तिबोध, गजानन माधव, कामायनी : एक पुनर्विचार । राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
8. यशदेव, पन्त का काव्य और युग।
9. वाजपेयी, नन्ददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. डॉ0 नगेन्द्र, सुमित्रानन्दन पंत, साहित्य रत्नभण्डार, आगरा।
11. सक्सेना, डॉ0 द्वारिका प्रसाद, कामायनी भाष्य।
12. सिंह ,डॉ0 बच्चन, क्रान्तिकारी कवि निराला
13. सिंह, दूधनाथ, निराला : आत्महन्ता आस्था।
14. सिंह, विजय बहादुर, जातीय अस्मिता के प्रश्न और जयशंकर प्रसाद, साहित्य भण्डार प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. सिंह, नामवर, छायावाद
16. श्रोत्रिय, प्रभाकर, जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिता।
17. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य –साधना
18. हुकुमचन्द, राजपाल, महादेवी का काव्य सौन्दर्य।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VIII
COURSE CODE	A010802T
COURSE TITTE	आधुनिक गद्य नाटक तथा निबंध
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थी नाटक विधा के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी निबंध विधा के विकासक्रम को समझ सकेंगे।
3. चन्द्र गुप्त और आधे–अधूरे नाटक की कथावस्तु में निहित मूल संवेदना से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. हिन्दी साहित्य के विभिन्न पीढ़ी के निबंधकारों की निबंध–शैली से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	व्याख्येय– **चन्द्रगुप्त** (नाटक), जयशंकर प्रसाद **अथवा आधे –अधूरे** (नाटक) मोहन राकेश		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन/अभिनय कौशल
2	व्याख्येय–हिन्दी निबंध (संपादन) : डॉ0 जैनेन्द्र कुमार		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन/अभिनय कौशल
3	(समीक्षात्मक अध्ययन) **चन्द्रगुप्त** (नाटक) जयशंकर प्रसाद **अथवा आधे –अधूरे** (नाटक)		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन/अभिनय कौशल
4	(समीक्षात्मक अध्ययन) हिन्दी निबंध		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन/अभिनय कौशल

अधिन्यास कार्य –

1. चन्द्रगुप्त नाटक के आधार पर चन्द्रगुप्त और अलका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'आधे–अधूरे नाटक' का मुख्य प्रतिपाद्य विषय अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

ललित निबंधकार के रूप में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान की समीक्षा कीजिए।

अधिगम परिणाम–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी आधुनिक गद्य की प्रमुख विधाओं, नाटक एवं निबन्ध विधा के अन्तर्गत रचे गये प्रमुख नाटकों एवं निबन्धों का आस्वादन कर लेंगे।
2. विद्यार्थी 'चन्द्रगुप्त' एवं 'आधे–अधूरे' नाटक के अध्ययनोपरान्त अपने देश के स्वर्णिम अतीत से राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा ग्रहण करेंगे तथा आधुनिक समाज की विसंगतियों को पहचानने में सक्षम होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. ओझा,डॉ0 दशरथ, हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।
2. गुप्त, डॉ0 गंगा प्रसाद , हिन्दी साहित्य में निबन्ध एवं निबन्धकार।
3. चातक गोविन्द, प्रसाद के नाटक : सृजनात्मक धरातल और भाषिक चेतना, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयनाथ नलिन, हिन्दी के निबन्धकार।
5. डॉ0 हरिमोहन, हिन्दी निबन्ध के आधार–स्तम्भ, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तिवारी, रामचन्द्र, हिन्दी का गद्य– साहित्य। वि0वि0 प्रकाशन, वाराण
7. मिश्र, जगन्नाथ प्रसाद, प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स,वाराणसी।
8. सिंह, बच्चन, हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VIII
COURSE CODE	A010803T
COURSE TITTE	**आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी**
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थी उपन्यास विधा के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी कहानी विधा के उद्भव और विकास से अवगत हो सकेंगे।
3. गोदान के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय कृषक जीवन की विभिन्न समस्याओं एवं चुनौतियों की पहचान करने में सक्षम हो सकेंगे।
4. उषा प्रियंवदा की 'वापसी' कहानी के आधार पर विद्यार्थी सेवानिवृत्ति के पश्चात् पाश्चात्य शिक्षा से प्रेरित आधुनिक भारतीय परिवार में बुजुर्गों की कठिनाईयों को समझ सकेगें।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	व्याख्येय–**गोदान** (उपन्यास)– प्रेमचन्द, (अथवा) शेखर : एक जीवनी : भाग–एक (उपन्यास)– अज्ञेय		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन
2	व्याख्येय–आधुनिक कहानियाँ		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य/ समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन
3	(समीक्षात्मक अध्ययन) **गोदान** (उपन्यास)– प्रेमचन्द, शेखर : एक जीवनी : भाग–एक (उपन्यास)–अज्ञेय		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन
4	(समीक्षात्मक अध्ययन) आधुनिक कहानियाँ		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन

अधिन्यास कार्य –

1. 'गोदान' कृषक जीवन की करुण गाथा है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

'शेखर : एक जीवनी' के आधार पर शेखर की चरित्रगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

भीष्म साहनी की कहानी 'चीफ की दावत' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अधिगम परिणाम–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी आधुनिक गद्य की प्रमुख विधाओं, यथा– उपन्यास एवं कहानी विधा के अन्तर्गत प्रमुख उपन्यासों और कहानियों के विषय में ज्ञान–समृद्ध होंगे।
2. विद्यार्थी साहित्य के दर्पण में समकालीन समाज का यथार्थ प्रतिबिम्ब देखेंगे तथा 'गोदान' जैसे उपन्यास में चित्रित कृषक एवं मजदूर वर्ग के जीवन की चुनौतियों को दूर करने हेतु क्रियाशील होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ हिन्दी कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मिश्र, रामदरश, हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा।
3. सिंह, डॉ0 त्रिभुवन, हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. सिंह, विजय मोहन, आज की कहानी, प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सिंह, नामवर, कहानी : नयी कहानी, प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शर्मा, रामविलास, प्रेमचन्द और उनका युग।
7. शर्मा, डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद, कहानी का रचना विधान।
8. श्रीवास्तव, डॉ0 निवेदिता, सामाजिक संरचना और नयी कहानी।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
Jananayak Chandrashekhar University, Ballia
A State University established under Uttar Pradesh State University Act 1973

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम

CLASS	BA IV YEAR
SEMESTER	VIII
COURSE CODE	A010804T
COURSE TITTE	साहित्य सिद्धान्त : (भारतीय)
CREDITS	5
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा से परिचित कराते हुए काव्य के लक्षण, हेतु एवं प्रयोजन से अवगत कराना।
2. विद्यार्थी को रस संप्रदाय का इतिहास उसके अवयव, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण की अवधारणा से परिचित कराना।
3. विद्यार्थियों को अलंकार एवं रीति सम्प्रदाय की मूल स्थापनाओं का ज्ञान प्रदान करना।
4. विद्यार्थियों को ध्वनि एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त की मौलिक जानकारी प्रदान करना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि (60 घण्टे)	शिक्षण–विधि

1	(क) काव्य : लक्षण, हेतु, प्रयोजन एवं शब्द शक्ति (ख) भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा : परिचयात्मक पर्यावलोकन		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा
2	रस सिद्धान्त : रस सम्प्रदाय का विकास, रस का स्वरूप, रस के अंग,रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा
3	(क) अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार संप्रदाय की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का भेद, वर्गीकरण, (ख) रीति सिद्धान्त : रीति सिद्धान्त का इतिहास,रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति एवं कला, रीतियों का भौगोलिक, प्रादेशिक आधार, रीति–भेद, स्थापनाएँ एवं मूल्यांकन।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा
4	(क) ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, ध्वनि के विविध अर्थ, ध्वनि का अभिप्राय, ध्वनि संप्रदाय की मूल स्थापना। (ख) वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति सिद्धान्त का इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति सिद्धान्त की समीक्षा।		व्याख्यान विधि/ श्यामपट्ट कार्य /समूह परिचर्चा

अधिन्यास कार्य –

1. रस सम्प्रदाय का सामान्य परिचय देते हुए रस सूत्र एवं रस–निष्पत्ति शब्द की व्याख्या करें।

अथवा

'' ध्वनि काव्य की आत्मा है'' इस कथन की सार्थकता सिद्ध करें।

अधिगम परिणाम–

1. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी भारतीय काव्य शास्त्र के विविध सम्प्रदायों और सिद्धान्तों के परिज्ञान में समर्थ होंगे तथा साहित्य में व्याप्त काव्यशास्त्रीय अवयवों (रस,छन्द, अलंकारादि) की पहचान करने में सक्षम होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. डॉ0 नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ0 रामचन्द्र, भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी।
3. त्रिपाठी, डॉ0 राममूर्ति, भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या।
4. मिश्र , डॉ0 भगीरथ, काव्य रस चिन्तन और आस्वाद।
5. मिश्र, डॉ0 भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
6. राय, बाबू गुलाब, सिद्धान्त और अध्ययन।
7. वर्मा, रघुवंश सहाय, भारतीय काव्य के प्रतिनिधि सिद्धान्त, चौखम्बा प्रेस, वाराणसी।
8. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, रस–मीमांसा।

विषय : हिन्दी (माइनर)

Subject-Hindi (Minor)

पाठ्यक्रम

CLASS	BA I YEAR
SEMESTER	I
COURSE CODE	
COURSE TITTE	हिन्दी काव्य
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

Course Objective :

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों को हिन्दी काव्य का ज्ञान प्रदान करना।
6. हिन्दी साहित्य में कविता शिक्षण के द्वारा छात्रों में काव्यात्मक अभिरूचि विस्तार करना।
7. हिन्दी के मूल पाठ को बढ़ावा देना।
8. हिन्दी भाषा कौशल का विकास एवं रोजगारपरक अध्ययन।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

4. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की प्रासंगिकता सिद्ध होगी।
5. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में प्रमुख कवियों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेगें।
6. हिन्दी भाषा कौशल की अभिरूचि के साथ रोजगारपरक अध्ययन की सार्थकता सिद्ध

होगी।

Unit	Course Content and Topic
I	हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ । सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य । भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण। भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य : सामान्य परिचय । रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद : (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति, प्रमुख कवि और उनका काव्य । आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग. द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
II	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. : आचार्य रामलोचन शरण) ग. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35) घ. अमीर खुसरो : अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली-घ (1), गीत-ड (4), (13), दोहे-च (पृष्ठ 86),05 दोहे-गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी । भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास : (भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस : गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर)

	अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 35 तक
III	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर : (कबीरदास संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20 ख- बिरह कौ अंग - 04, 10, 12, 20, 33 मलिक मोहम्मद जायसी (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01 से 03 तक) रीतिकालीन कविः बिहारीलाल : (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे (पाँच दोहे । घनानंद : (घनानंद ग्रन्थावली-संपा., विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7
IV	आधुनिककालीन कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र : मातृभाषा प्रेम पर दोहे | जयशंकर प्रसाद : श्रद्धा सर्ग के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त : प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है | महादेवी वर्मा :बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ | मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो | (अ) छायावादोत्तर कवि : अज्ञेय : नदी के दीप मुक्तिबोध : भूल गलती नागार्जुन : अकाल और उसके बाद धर्मवीर भारती : कविता की मौत (दूसरा सप्तक :सम्पादक अज्ञेय) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद

	(ब) हिन्दी साहित्य में शोध : शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की एवं महत्त्व |

सन्दर्भ ग्रन्थः

15. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976 2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
16. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
17. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992 5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
18. सिंह, नामवर आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
19. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
20. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
21. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
22. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
23. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
24. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रवाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940 13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति: एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
25. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957 15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
26. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
27. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941 18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
28. पाठक, शिवसहाय मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद 20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965

विषय : हिन्दी (माइनर)

Subject-Hindi (Minor)

पाठ्यक्रम

CLASS	BA II YEAR
SEMESTER	III
COURSE CODE	
COURSE TITTE	हिन्दी गद्य
CREDITS	6
MAX. MARKS	25+75
MIN. PASSING MARKS:	10+30

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर छात्रों को हिन्दी गद्य का ज्ञान प्रदान करना।
6. हिन्दी साहित्य में गद्य शिक्षण के द्वारा छात्रों में सृजन–अभिरूचि का विस्तार करना।
7. हिन्दी के मूल पाठ को बढ़ावा देना।
8. हिन्दी भाषा कौशल का विकास एवं रोजगारपरक अध्ययन।

Learning outcomes : After successful completion of the syllybus, learners will be able to :

अधिगम परिणाम –

4. इस प्रश्न–पत्र के अध्ययन के उपरान्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की प्रासंगिकता सिद्ध होगी।
5. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में प्रमुख लेखकों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेगें।
6. हिन्दी भाषा कौशल की अभिरूचि के साथ रोजगारपरक अध्ययन की सार्थकता सिद्ध होगी।

Unit	Topic
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : कहानी उपन्यास नाटक एकांकी निबंध यात्रा वृत्तान्त सस्मरण रेखाचित्र रिपोर्ताज आत्मकथा व्यंग्य

II	हिन्दी उपन्यास : गबन : मुंशी प्रेमचंद : कथ्य, शिल्प, प्रमुख पात्र तथा चरित्र-चित्रण | हिन्दी कहानी ईदगाह - प्रेमचन्द गैंग्रीन- अज्ञेय तीसरी कसम उर्फ़ मारे गये गुलफ़ाम : रेणु
III	हिन्दी नाटक एवं एकांकी : नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद एकांकी : लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अश्क हिन्दी निबन्ध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र श्रद्धा-भक्ति-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
IV	अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड : रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी रामविलास शर्मा) रिपोर्ताज (ऋण जल धन जल रेणु) व्यंग्य (भोलाराम का जीव हरिशंकर परसाई) अन्य गद्य विधाएं द्वितीय खण्ड : यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा राहुल सांकृत्यायन) आत्मकथा अंश (जूठन ओमप्रकाश वाल्मीकि)

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007

2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992

4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018

6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018

7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975

8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा

9. गबन : मुंशी प्रेमचंद , स्रोत : ई पुस्तकालय